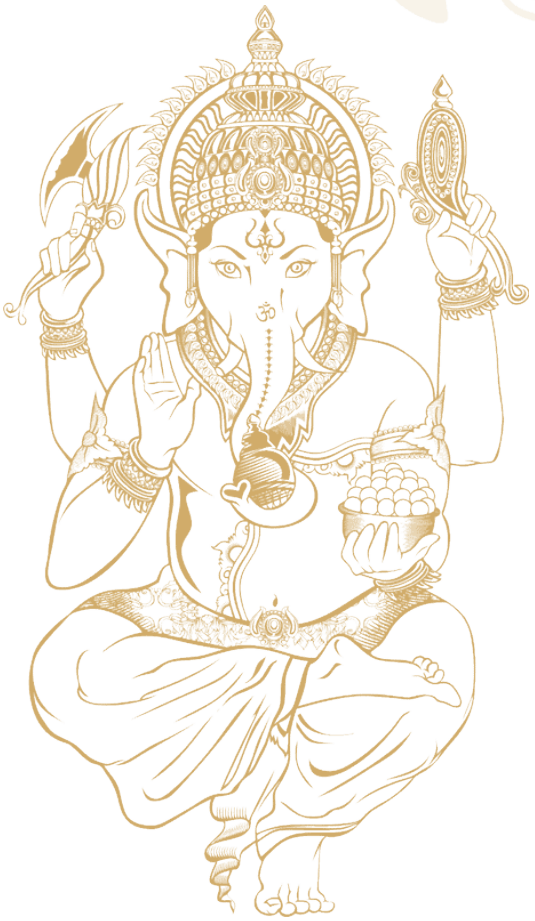

Rahul

09 Apr 1982

05:37 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121755203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/04/1982**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:37:00 घंटे**
इष्ट	28:54:57 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:15:52 घंटे
वेलान्तर	-00:01:42 घंटे
साम्पातिक काल	06:25:31 घंटे
सूर्योदय	06:03:01 घंटे
सूर्यास्त	18:43:10 घंटे
दिनमान	12:40:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	25:42:22 मीन
लग्न के अंश	12:00:43 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	हर्षण
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रु-रुपेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:00:43	317:50:17	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			मीन	25:42:22	00:58:55	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	08:15:42	12:31:54	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
मंगल	व		कन्या	13:18:07	00:22:00	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
बुध		अ	मीन	23:16:29	02:02:47	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	नीच राशि
गुरु	व		तुला	13:53:40	00:06:55	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	09:26:55	01:01:44	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		कन्या	25:16:55	00:04:38	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	24:00:15	00:12:46	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	24:00:15	00:12:46	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	10:37:14	00:01:30	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
नेप	व		धनु	03:24:25	00:00:21	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
प्लूटो	व		तुला	02:07:25	00:01:41	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	---
दशम भाव			मिथु	12:14:54	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:17

लग्न-चलित

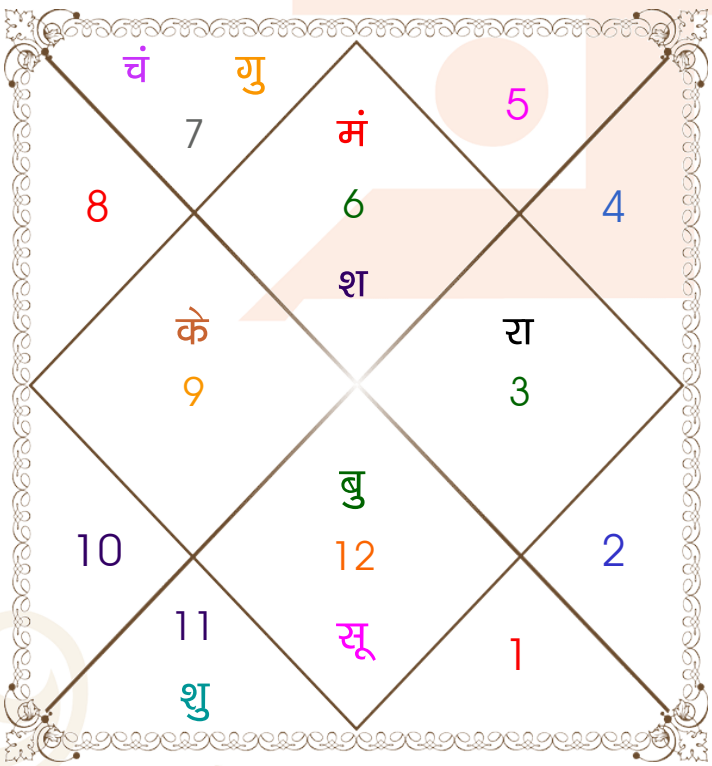

चन्द्र कुंडली

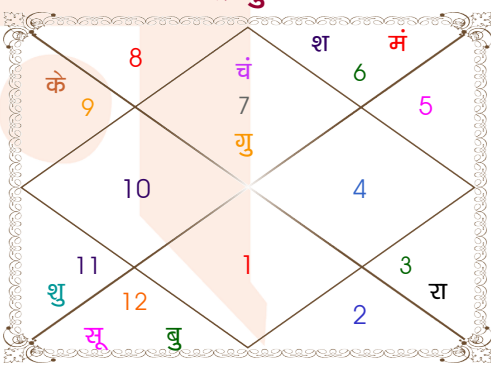

नवमांश कुंडली

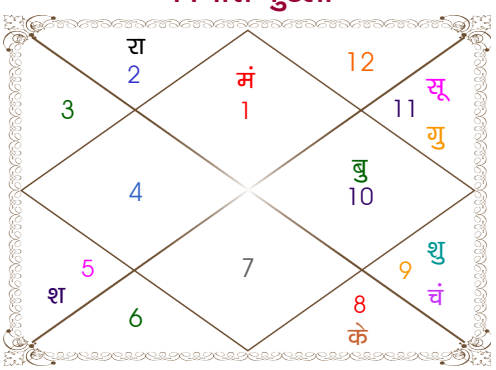

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 15 वर्ष 10 मास 4 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
09/04/1982		12/02/1998		12/02/2014		12/02/2033		12/02/2050	
12/02/1998		12/02/2014		12/02/2033		12/02/2050		12/02/2057	
राहु	26/10/1982	गुरु	01/04/2000	शनि	15/02/2017	बुध	12/07/2035	केतु	11/07/2050
गुरु	21/03/1985	शनि	14/10/2002	बुध	26/10/2019	केतु	08/07/2036	शुक्र	11/09/2051
शनि	25/01/1988	बुध	19/01/2005	केतु	04/12/2020	शुक्र	09/05/2039	सूर्य	16/01/2052
बुध	14/08/1990	केतु	26/12/2005	शुक्र	04/02/2024	सूर्य	14/03/2040	चंद्र	16/08/2052
केतु	01/09/1991	शुक्र	26/08/2008	सूर्य	16/01/2025	चंद्र	14/08/2041	मंगल	13/01/2053
शुक्र	01/09/1994	सूर्य	14/06/2009	चंद्र	17/08/2026	मंगल	11/08/2042	राहु	31/01/2054
सूर्य	27/07/1995	चंद्र	14/10/2010	मंगल	26/09/2027	राहु	27/02/2045	गुरु	07/01/2055
चंद्र	25/01/1997	मंगल	20/09/2011	राहु	02/08/2030	गुरु	05/06/2047	शनि	16/02/2056
मंगल	12/02/1998	राहु	12/02/2014	गुरु	12/02/2033	शनि	12/02/2050	बुध	12/02/2057

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
12/02/2057		12/02/2077		12/02/2083		12/02/2093		13/02/2100	
12/02/2077		12/02/2083		12/02/2093		13/02/2100		00/00/0000	
शुक्र	13/06/2060	सूर्य	02/06/2077	चंद्र	14/12/2083	मंगल	11/07/2093	राहु	10/04/2102
सूर्य	14/06/2061	चंद्र	01/12/2077	मंगल	14/07/2084	राहु	30/07/2094		00/00/0000
चंद्र	12/02/2063	मंगल	08/04/2078	राहु	13/01/2086	गुरु	06/07/2095		00/00/0000
मंगल	14/04/2064	राहु	03/03/2079	गुरु	15/05/2087	शनि	13/08/2096		00/00/0000
राहु	14/04/2067	गुरु	20/12/2079	शनि	13/12/2088	बुध	11/08/2097		00/00/0000
गुरु	13/12/2069	शनि	01/12/2080	बुध	15/05/2090	केतु	07/01/2098		00/00/0000
शनि	12/02/2073	बुध	07/10/2081	केतु	14/12/2090	शुक्र	09/03/2099		00/00/0000
बुध	14/12/2075	केतु	12/02/2082	शुक्र	13/08/2092	सूर्य	15/07/2099		00/00/0000
केतु	12/02/2077	शुक्र	12/02/2083	सूर्य	12/02/2093	चंद्र	13/02/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 15 वर्ष 10 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।